विकास • देश का इकलौता शहर होगा गुड़गांव जहां, भारतीय रेल, दिल्ली मेट्रो, रैपिड मेट्रो और रैपिड रेल की मिलेगी कनेक्टिविटी की जाएगी

पहले फेज में दिल्ली-गुड़गांव-एसएनबी तक बनेगा कॉरिडोर

भास्कर न्यूज | गुड़गांव

इसी साल के आरंभ मे हुई बैठक में हरियाणा कैबिनेट ने एनसीआरटीसी की आरआरटीएस परियोजना दिल्ली-गुड़गांव-अलवर कॉरीडोर के पहले फेज दिल्ली-गुड़गांव-एसएनबी तक बनाया जाएगा। इस कॉरीडोर पर जियो-टेक्निकल इंवेस्टिगेशन, अंडरग्राउंड यूटिलिटी मैपिंग हो रही है और जल्द ही पाइल लोड टेस्टिंग का कार्य भी शुरू हो जाएगा। कॉरीडोर के बनने के बाद गुड़गांव एनसीआर में इकलौता ऐसा शहर होगा जहां, चार प्रमुख परिवहन साधन भारतीय रेल, दिल्ली मेट्रो, रैपिड मेट्रो और रैपिड रेल की कनेक्टिविटी मिलेगी। रैपिड रेल की ओल्ड गुड़गांव से कनेक्टिविटी होने से लाखों लोगों को फायदा मिलेगा। इसके साथ ही गुड़गांव में रेलवे स्टेशन तक रैपिड मेट्रो भी प्रस्तावित है। इसी वर्ष के आरंभ मे हुई बैठक में हरियाणा कैबिनेट ने एनसीआरटीसी की आरआरटीएस परियोजना दिल्ली-गुड़गांव-अलवर कॉरीडोर के पहले फेज दिल्ली-गुड़गांव-एसएनबी तक की डीपीआर की मंजूरी देकर निर्माण कार्य का रास्ता साफ कर दिया है।

गुड़गांव के लाखों लोगों को मिलेगा लाभ

दिल्ली सराय कालेखां से एसएनबी तक रैपिड रेल।

आरआरटीएस मैप के हिसाब से आरआरटीएस स्टेशन का निर्माण गुड़गांव में उद्योग विहार, सेक्टर 17, राजीव चौक, खेड़की दौला, मानेसर, पंचगांव, बिलासपुर, धारुहेड़ा, रेवाड़ी, बावल, एसएनबी मे होना है। रैपिड रेल के माध्यम से लोग गुड़गांव से एनसीआर (दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ, मानेसर, धारुहेड़ा, बावल, नीमराना, सोनीपत, पानीपत इत्यादि) में घंटे भर मे यात्रा कर सकेंगे।

रियल एस्टेट सहित अन्य उद्योगों का मिलेगा बढ़ावा

गुड़गांव का नाम देश में सबसे तेजी से विकसित हुए शहरों में जाना जाता है। भारत सहित कई अन्य देशों की कंपनियां यहां निवेश कर रही है। रैपिड रेल की कनेक्टिविटी होने के बाद उद्योग विहार व आईएमटी मानेसर में नौकरी करने वालों के आने जाने के लिए एक और विकल्प मिल जाएगा। जिससे गुड़गांव में उद्योग कंपनियां बढ़ने की संभावना भी बढ़ जाएगी। आरआरटीएस की परियोजना पर उम्मीद जताते हुए डेवलपर अल्फा-कॉर्प के सीईओ आशीष सरीन ने कहा कि आरआरटीएस के आने से

न्यू गुड़गांव के क्षेत्र में सबसे तेजी से कनेक्टिविटी बढ़ेगी। कनेक्टिविटी के बढ़ने से स्टेशन के आसपास इलाकों में प्रॉपर्टी रेट में वृद्धि होना तय है। इस हाई स्पीड रेल की वजह से न्यू गुड़गांव के लोग गुड़गांव से मानेसर-धारुहेड़ा-बावल तथा दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ बहुत ही कम समय मे यात्रा कर सकेंगे।

ओल्ड गुड़गांव को होगा फायदा

आरआरटीएस उद्योग विहार स्टेशन से, गुड़गांव रैपिड मेट्रो और गुड़गांव रेलवे स्टेशन से प्रस्तावित मेट्रो तक कनेक्टिविटी बढ़ाने की प्रस्तावना दी गई है। जिससे ओल्ड गुड़गांव को काफी फायदा होगा। यह कॉरिडोर दिल्ली, गुड़गांव, रेवाड़ी, मानेसर, धारुहेड़ा, बावल और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को तेज, सुरक्षित, विकल्प प्रदान करने के साथ- साथ क्षेत्रीय परिवहन के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करेगा। आरआरटीएस के प्रवक्ता सुधीर कुमार ने बताया कि कॉरीडोर पर जून में पाइल लोडिंग टेस्ट कार्य शुरू हो जाएगा। आरआरटीएस प्रोजेक्ट दिल्ली सराय काले-खां से एसएनबी तक इस प्रोजेक्ट में ₹24,975 करोड़ की लागत आएगी।